भारत सरकार
गृह मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1823
दिनांक 11 दिसम्बर, 2024 / 20 अग्रहायण, 1946 (शक) को उत्तर के लिए

आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिलाओं को अग्रणी भूमिकाएं प्रदान करना

1823 # श्रीमती संगीता यादवः

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या आपदा न्यूनीकरण पर प्रधान मंत्री के 10 सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत महिलाओं के प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने का कोई प्रावधान है;
(ख) आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिलाओं को अग्रणी भूमिकाएं प्रदान करने के लिए सरकार द्वारा क्या पहलें की गई हैं; और
(ग) जिला से लेकर राज्य स्तर तक विभिन्न स्तरों पर आपदा प्रबंधन संवर्गों में महिलाओं का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं ?

उत्तर

गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री
(श्री नित्यानंद राय)

(क): हाँ महोदय। प्रधानमंत्री ने आपदा जोखिम न्यूनीकरण पर दस सूत्रीय एजेंडा प्रतिपादित किया है और एजेंडा संख्या तीन में महिला नेतृत्व और उनकी अधिक भागीदारी पर भी जोर दिया गया है जो आपदा जोखिम प्रबंधन का केंद्र बिंदु होना चाहिए।

(ख) और (ग): आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिलाओं को नेतृत्व की भूमिका प्रदान करने हेतु सरकार द्वारा की गई प्रमुख पहलों का विवरण निम्नानुसार है:

राज्य सभा अतारांकित प्रश्न संख्या 1823, दिनांक 11.12.2024

i) संशोधित राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन योजना (एनडीएमपी), 2019 में महिला सशक्तिकरण और आपदा जोखिम प्रबंधन में उनके नेतृत्व की भूमिका से संबंधित मुद्दों को प्रमुखता दी गई है।

ii) आपदा मित्र योजना के तहत महिलाओं को आपदा सखी के रूप में प्रशिक्षण देकर आपदा मोचन में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित किया गया है। अब तक प्रशिक्षित लगभग एक लाख आपदा मित्र स्वयंसेवकों में से 20% प्रशिक्षित महिला स्वयंसेवक हैं।

iii) देश में चक्रवात आश्रय प्रबंधन और रखरखाव समितियों (सीएसएमएमसी) के रखरखाव और प्रबंधन के लिए 50% महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित की गई है।

iv) आपदा तैयारी और बचाव कार्यों, प्रशिक्षण और मॉक ड्रिल आदि से संबंधित विभिन्न कार्यबल समूहों में महिलाओं को प्रमुख भूमिका दी जाती है।

v) राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन संस्थान (एनआईडीएम) ने "आपदा जोखिम प्रबंधन में महिलाओं की भूमिका" की सर्वोत्तम प्रथाओं पर एक सार-संग्रह विकसित किया है और आपदा जोखिम न्यूनीकरण में महिलाओं की भूमिका पर ध्यान केंद्रित करते हुए विशिष्ट प्रशिक्षण कार्यक्रम चलाए हैं।

vi) केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों (सीएपीएफ) की महिला टुकड़ियों को भी आपदा प्रबंधन में प्रशिक्षित किया गया है और आपदा राहत और बचाव अभियान के लिए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) में तैनात किया गया है।

vii) तुर्की में भूकंप के बाद मानवीय सहायता और आपदा राहत प्रदान करने के लिए तैनात एनडीआरएफ टीम की महिला बचावकर्मियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

*****